### ॥ श्रीः ॥ चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला ४13

#### गीर्वाणेन्द्रसरस्वतीपादविरचित:

# श्रीमत्प्रपञ्चसारसारसङ्गहः

( पूर्वों भाग: )

संस्कर्ता **क्षे. शं. सुब्रह्मण्यशास्त्री** 



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी

### विषयानुक्रमणी

| वि       | षया:                        | पृष्ठाङ्काः | विषयाः पृ  | छाङ्का: |
|----------|-----------------------------|-------------|--|---------|
|          | सप्तमपटले                   |             | ◆ मन्त्रोपदेशविधि:                                   | 24      |
| +        | मङ्गलाचरणम्                 | 8           | <ul> <li>मन्त्रग्रहणे मासशोधनिनयमः</li> </ul>        | 24      |
| <b>*</b> | ग्रन्थकर्तुः प्रतिज्ञा      | १           | <ul> <li>तिथिवारादिशोधनविधिः</li> </ul>              | २६      |
| <b></b>  | षष्ठपटलान्तविषयसङ्ग्रहः     | 8           | <ul> <li>तत्र नक्षत्रपरीक्षा</li> </ul>              | 25      |
|          | दोक्षामहिमा मन्त्रमहिमा च   | 2           | ♦ राशिपरीक्षा  | 28      |
| +        | दीक्षायां गुरो: कार्याणि    | 3           | <ul><li>भूतकूटपरीक्षा</li></ul>                      | 38      |
| *        | आसनलक्षणम्                  | 3           | <ul> <li>सिद्धसाध्यादिपरीक्षा</li> </ul>             | 38      |
| +        | मन्त्रभेदाः तल्लक्षणानि च   | 8           | <ul> <li>मन्त्राणां ऋणधनशोधनविधिः</li> </ul>         | 33      |
| *        | छिन्नादिमन्त्रदोषा:         | 8           | ♦ सिद्धसाध्यादिशोधने अपवादः                          | 33      |
| +        | तेषां लक्षणानि              | 4           | <ul> <li>स्त्रीपुंनपुंसकमन्त्रलक्षणं</li> </ul>      |         |
| +        | दशविधमन्त्रसंस्काराः        | 9           | तेषां फलं च  | 38      |
| +        | आसनफलानि                    | ११          | <ul> <li>आग्नेयसौम्यमन्त्रलक्षणम्</li> </ul>         | 34      |
|          | जपे स्थानभेदेन फलभेदः       | ११          | <ul> <li>मन्त्राणां जायत्स्वप्नपरिज्ञानम्</li> </ul> |         |
| +        | जपारम्भे गुर्वादिवन्दनविधिः | १२          | फलं च  | 34      |
| +        | दिग्बन्धनविधि:              | १२          | <ul> <li>वश्यादिप्रयोगेषु योजनीय-</li> </ul>         |         |
| +        | दिग्बन्धने पक्षविशेष:       | १३          | पल्लवभेदाः   | 34      |
| +        | भूतशुद्धिः                  | १४          | <ul> <li>मन्त्राणां ग्रथितादिभेदाः</li> </ul>        | 34      |
| +        | प्रकारान्तरेण भूतशुद्धिः    | १५          | ♦ तेषां लक्षणानि फलानि च                             | 3 &     |
|          | प्राणायामविधि:              | १६          | ◆ दीक्षापुरस्सरं मन्त्रोपदेशविधिः                    | € ७     |
|          | तत्र देवताभेदेन क्रमभेदः    | १७          | ◆ तत्र प्रकारान्तरम्                                 | 36      |
| +        | करन्यासविधिः                | १८          | ◆ प्रकारान्तरम्                                      | 36      |
| +        | ऋष्यादिन्यासस्थानहेतुकथन    | ाम् १९      |  | 80      |
| 4        | अङ्गन्यासस्थानानि           | १९          | ♦ दीक्षाभिषेकस्तुति:                                 | 80      |
| +        | मातृकान्यासस्य षडङ्गविधि    | ाः १९       | ♦ गुरुप्रमाणविधि:                                    | ४१      |
| 4        | अङ्गन्यासमुद्राप्रकारः      | २०          | <ul> <li>मन्त्रोपदेशविधि:, मन्त्र-</li> </ul>        |         |
|          | · न्यासाङ्गानामर्थः         | २१          | ग्रहणवि <b>धिश्च</b>                                 | 88      |
|          | • मानसपञ्चोपचाराः           | 23          | <ul> <li>तदा गुरुशिष्याभ्यां कर्तव्य-</li> </ul>     |         |
| 4        | · मातृकान्यासस्थानानि       | २५          | 6 1  | 85      |

| विषया:   | पृष्ठाङ्काः | विषया:   | पृष्ठाङ्काः |
|--|-------------|--|-------------|
| <ul> <li>ग्रोरलाभे मन्त्रग्रहणोपायः</li> </ul>     | 83          | <ul> <li>सुरिभमुद्रालक्षणम्</li> </ul>   | 88          |
| ♦ जपे विशेषस्थानानि                                | 88          | <ul><li>पञ्चपुष्पाञ्जलिमन्त्रः</li></ul>   | 3,6         |
| <ul><li>मन्त्रपुरश्चरणविधिः</li></ul>              | ४५          | <ul><li>पञ्चीकरणपुष्पाञ्जलिमन्त्रः</li></ul>   | 99          |
| ◆ जपकाल:   | 84          | ♦ सालियाममन्त्र:   | 99          |
| ◆ जपकाले नियमा:                                    | ४६          | <ul> <li>मातृकामन्त्रप्रयोगविधिः</li> </ul>  | 808         |
| <ul> <li>जपार्थं कूर्ममुखपिरज्ञानम्</li> </ul>     | 28          | <ul><li>प्रयोगान्तराणि</li></ul>   | 303         |
| <ul> <li>आसनानि, फलानि च</li> </ul>                | 89          | <ul> <li>वर्णीषधिनामानि</li> </ul>   | 303         |
| ◆ जपस्य मात्रानियम:                                | 40          | <ul> <li>मातृकायाः प्रयोगान्तरम्</li> </ul>  | 808         |
| <ul> <li>स्त्रीशूद्राणामिप मन्त्रेऽधिका</li> </ul> | ₹-          | ★ प्रणवकला:  | 308         |
| वर्णनम्  | 45          | ◆ पुनरिप न्यासिवशेष:   | १०६         |
| <ul> <li>होमार्थकुण्डलक्षणम्</li> </ul>            | 43          | 20 10  | 800         |
| ♦ होमसामान्यविधिः                                  | ५६          |  | १०७         |
| <ul> <li>स्वार्थपरार्थभेदेन अग्निभेद</li> </ul>    |             |  | 330         |
| <ul> <li>आज्यभागान्तं स्वगृह्योक्ति</li> </ul>     | विधि: ५६    | A comment of the comm | 222         |
| <ul> <li>अग्निजिह्वालक्षणम्</li> </ul>             | 40          | <ul> <li>तत्र बीजयोजनभेदाः</li> </ul>  | 285         |
| <ul><li>अग्निजननविधिः</li></ul>                    | 46          | प्रपञ्चयागविधि:  | 885         |
| <ul> <li>अग्ने: गर्भाधानादिसंस्कार्रा</li> </ul>   | विधि: ६०    | <ul> <li>प्रपञ्चयागप्राणाग्निहोत्रयोः</li> </ul>   |             |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तहोमसामान्यवि</li> </ul>      | वधि: ६३     | न्यासादिविधि:  | 222         |
| <ul><li>होमद्रव्यपरिमाणम्</li></ul>                | ६५          | <ul> <li>प्रपञ्चयागमन्त्रेण होमविधि</li> </ul>   | ११७         |
| <ul> <li>मातृकासरस्वतीयन्त्रम्</li> </ul>          | ६७          | <ul><li>प्रयोगान्तराणि</li></ul>   | 286         |
| <ul> <li>सकलदेवतासाधारणपीठ-</li> </ul>             |             | <ul> <li>दशविधलिपिन्यासाः</li> </ul>   | 850         |
| पूजाविधि:  | ६९          | ◆ तत्र पक्षविशेष:  | 224         |
| <ul> <li>सकलदेवतासामान्यपूजाब्र</li> </ul>         | मः ७५       | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तदशविध-</li> </ul>  |             |
| <ul> <li>सकलदेवतासामान्यशङ्ख-</li> </ul>           |             | मातृकान्यास:   | 854         |
| पूरणविधि:  | ७६          | <ul> <li>क्रमदीपिकोक्तपञ्चविध-</li> </ul>  |             |
| <ul> <li>आत्मपूजाविधिः</li> </ul>                  | ७९          | मातृकान्यास:   | १२६         |
| <ul> <li>किरीटपुष्पाञ्जलिः</li> </ul>              | 64          |  | १२६         |
| <ul> <li>आवाहनादिमुद्रालक्षणानि</li> </ul>         | 66          | - 1  | १२७         |
| पञ्चतत्त्वन्यासः                                   | 66          |  |             |
| <ul><li>त्रिविधपूजोपचाराः</li></ul>                | 90          | 0.0  | १२७         |
| <ul><li>अर्घ्याद्युपचारद्रव्याणि</li></ul>         | 90          |  | १२८         |
| <ul><li>धूपादिप्रदर्शनप्रकार:</li></ul>            | 93          |  | ,,,,        |
| <ul> <li>नैवेद्यसमर्पणविधिः</li> </ul>             | 83          |  | १३१         |
| • ानवताननानानः                                     | 7.1         | 1 113.1.11   | 141         |

| विषया:  | पृष्ठाङ्काः | विषयाः पृ   | छाङ्का: |
|---|-------------|---|---------|
| ♦ त्रिपुरामन्त्रन्यासिविधिः                       | १३२         | <ul> <li>श्रीचक्रमध्ये लेखनीयाक्षराणि</li> </ul>      | १६४     |
| <ul><li>नवयोनिन्यासः</li></ul>                    | १३३         | <ul> <li>श्रीविद्यापञ्चदशाक्षरीन्यासिविधिः</li> </ul> | १६५     |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तन्यासविधिः</li> </ul>       | १३४         | <ul><li>कुङ्कुमन्यास:</li></ul>                       | १७२     |
| ♦ सुभगादिन्यासः                                   | १३५         | <ul> <li>दशविधमातृकान्यास:</li> </ul>                 | १७२     |
| <ul> <li>मातृभैरवाष्ट्रकमिलितन्यासः</li> </ul>    | १३५         | <ul> <li>लघुषोढान्यासः</li> </ul>                     | १७३     |
| <ul><li>भूषणन्यासः</li></ul>                      | १३६         | ◆ तत्र गणेशन्यासः फलं च                               | १७३     |
| <ul><li>ईशानादिन्यासः</li></ul>                   | १३६         | ♦ ग्रहन्यास:  | १७४     |
| <ul><li>नवयोनिचक्रप्रकारः</li></ul>               | १३७         | <ul><li>नक्षत्रन्यासः</li></ul>                       | १७५     |
| <ul><li>त्रिपुरागायत्री</li></ul>                 | १३८         | <ul> <li>योगिनीन्यास:</li> </ul>                      | १७६     |
| <ul><li>त्रिपुरापूजाविधिः</li></ul>               | १३८         | ♦ राशिन्यास:  | १८१     |
| <ul><li>त्रिपुरामन्त्रप्रयोगविधिः</li></ul>       | १३९         | ♦ पीठन्यास:   | १८१     |
| <ul> <li>प्रयोगान्तराणि</li> </ul>                | 280         | <ul> <li>श्रीविद्यापञ्चदशाक्षरीचक्रन्यास:</li> </ul>  | १८२     |
| <ul><li>धारणासरस्वतीमन्त्रः</li></ul>             | 888         | <ul><li>आयुधन्यासः</li></ul>                          | १८४     |
| <ul><li>नकुलीसरस्वतीमन्त्रः</li></ul>             | 888         | → व्यापकन्यास:  | 964     |
| ♦ परासरस्वतीमन्त्रः                               | 284         | <ul> <li>महाषोढान्यासप्रकारः</li> </ul>               | 969     |
| <ul> <li>बालासरस्वतीमन्त्रः</li> </ul>            | 284         | <ul> <li>महामुद्रालक्षणम्</li> </ul>                  | 299     |
| बालात्र्यक्षरीमन्त्र:                             | १४६         | ♦ भुवनन्यासः  | १९३     |
| <ul> <li>बालापूजाविधिः</li> </ul>                 | १४६         | ♦ मूर्त्तिन्यास:                                      | 888     |
| ♦ प्रयोग:   | १४६         |   | 884     |
| ◆ बालायन्त्रम्                                    | 886         |   | १९७     |
| ◆ वाग्भवबीजम्                                     | १४८         | <ul> <li>मातृभैरवन्यासः</li> </ul>                    | १९८     |
| <ul><li>महाबालात्रिपुरसुन्दरीमन्त्र:</li></ul>    |             | <ul> <li>महाषोढान्यासफलम्</li> </ul>                  | 199     |
| <ul><li>त्रिपुरसुन्दरीमालामन्त्राः</li></ul>      | 886         | ◆ कामकलान्यास:  | 200     |
| <ul><li>श्रीविद्यापुरश्चरण्विधि:</li></ul>        | १५२         | ◆ अङ्गुलिन्यास:                                       | 308     |
| <ul> <li>कल्पसूत्रोक्तप्रकारेण श्रीविः</li> </ul> | घाचक्र-     | ◆ खण्डत्रयन्यासः                                      | 202     |
| पूजाविधि:   | १५३         | ♦ परान्यास:   | 205     |
| <ul><li>श्रीविद्याचक्रलक्षणम्</li></ul>           | १५७         | ◆ पश्यन्तीन्यास:                                      | 203     |
| <ul> <li>श्रीविद्याचक्रलेखनप्रकार:</li> </ul>     | १५७         | ♦ मध्यमान्यास:  | 202     |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तश्रीविद्याचक्र-</li> </ul>  |             | <ul><li>वैखरीन्यास:</li></ul>                         | 203     |
| लेखनप्रकार:                                       | १५८         | ◆ नवयोनिन्यास:  | २०४     |
| <ul> <li>तत्र त्रिकोणान्तः लेखनी-</li> </ul>      |             | ♦ शृङ्खलान्यास:                                       | 208     |
| याक्षराणि   | १५९         | ♦ तुर्यन्यासः   | 808     |
| <ul><li>नवरेखामार्जनप्रकार:</li></ul>             | १६१         | ♦ देहन्यासः   | २०४     |

| विषया:  | पृष्ठाङ्काः       | विषया:   | पृष्ठाङ्काः |
|---|-------------------|--|-------------|
| <ul> <li>श्रीविद्यासन्ध्यावन्दनविधिः</li> </ul>     | २०६               | ♦ यन्त्रान्तरम्                                  | २५६         |
| <ul><li>तत्त्वचतुष्टयमन्त्रप्रकारः</li></ul>        | २०९               | ♦ प्रयोगान्तराणि                                 | 246         |
| <ul> <li>कल्पसूत्रोक्तश्रीविद्याप्रयोगिव</li> </ul> | धि: २०९           | ♦ यन्त्रान्तरम्                                  | 249         |
| <ul> <li>त्रिपुराविषयकनवमुद्राक्रमः</li> </ul>      | २१०               | ◆ यन्त्रान्तरम्                                  | २६०         |
| <ul><li>त्रिखण्डमुद्रालक्षणम्</li></ul>             | २११               | <ul><li>दशपुष्पसंज्ञा</li></ul>                  | २६०         |
| <ul> <li>त्रिपुरसुन्दरीषोडशाक्षरीविधान</li> </ul>   | ाम् २११           | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तःस्वयंवरान्यासः</li> </ul> | २६१         |
| <ul><li>उद्धारमन्त्रस्वरूपम्</li></ul>              | २१२               | <ul> <li>तत्र शुद्धमातृकान्यासः</li> </ul>       | २६२         |
| <ul><li>अक्षरन्यासः</li></ul>                       | २१२               | ♦ पदन्यास:                                       | २६२         |
| <ul> <li>श्रीविद्यापराषोडशाक्षरी-</li> </ul>        | •                 | <ul> <li>वश्यकरपञ्चबाणन्यासविधान</li> </ul>      | म् २६४      |
| मन्त्रविधानम्                                       | २१३               | <ul> <li>♦ तिरस्करिणीमन्त्रविधानम्</li> </ul>    | २६५         |
| <ul> <li>श्रीविद्यायन्त्रपूजाविधिः</li> </ul>       | 588               | <ul> <li>वागीश्वरीमन्त्रविधानम्</li> </ul>       | २६५         |
| <ul> <li>श्रीचक्रत्रिकोणमध्ये बिन्दू इ</li> </ul>   | ार-               | ◆ अस्या: पूजाविधि:                               | २६६         |
| प्रकार:   | 558               | ♦ प्रयोग:  | २६६         |
| <ul> <li>उपासकभेदे द्वन्दशविधमन्त्र</li> </ul>      |                   | <ul><li>◆ वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>       | २६७         |
| <ul> <li>क्रमेण तत्तन्मन्त्रोद्धारश्लोक</li> </ul>  | जः २२२            | ♦ पुनरिप पूजाविधि:                               | २६८         |
| <ul><li>श्रीविद्याक्षरस्तोत्रम्</li></ul>           | 256               | नवमपटले  |             |
| <ul> <li>विद्यासिहतगोपालमन्त्र:</li> </ul>          | 232               | <ul> <li>यद्वाग्वदन्त्यृचो यन्त्रम्</li> </ul>   | 200         |
| <ul><li>अस्य यन्त्रम्</li></ul>                     | 233               | <ul> <li>यश्छन्दसामृचो यन्त्रम्</li> </ul>       | २७१         |
| ♦ अस्य न्यासः                                       | २३६               | <ul><li>वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>         | २७२         |
| षड्विधन्यासाः                                       | २३७               | <ul><li>वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>         | २७३         |
| <ul><li>राजमातङ्गीमन्त्रविधानम्</li></ul>           | २३९               | <ul><li>वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>         | २७३         |
| <ul> <li>शारदातिलकोक्तराजमातङ्गेश</li> </ul>        | धरी-              | <ul><li>अस्य अक्षरन्यासः</li></ul>               | २७३         |
| मन्त्रविधानम्                                       | 280               | <ul> <li>चिन्तामणिसरस्वतीमन्त्रः</li> </ul>      | २७४         |
| ♦ अस्य न्यासः                                       | २४१               | <ul><li>अस्य अक्षरन्यासः</li></ul>               | २७४         |
| <ul><li>पूजार्थकयन्त्रम्</li></ul>                  | 583               | <ul><li>♦ सरस्वतीमन्त्रान्तरम्</li></ul>         | २७५         |
| ♦ प्रयोग:   | The second second | <ul><li>अस्य अक्षरन्यासः</li></ul>               | 204         |
| <ul><li>लघुमातङ्गीमन्त्रः</li></ul>                 | २४६               | <ul><li>♦ सरस्वतीमन्त्रान्तरम्</li></ul>         |             |
| <ul><li>पूजाविधि:</li></ul>                         | २४६               | (वाग्देवीमन्त्र:)                                | २७५         |
| <ul><li>स्वयंवरामन्त्रविधानम्</li></ul>             | 588               | ◆ अस्य प्रयोग:                                   | २७५         |
| ♦ पूजाविधि:   | 240               | <ul> <li>नकुलीसरस्वतीमन्त्रः</li> </ul>          | २७६         |
| ♦ प्रयोगः   |                   | <ul> <li>अस्य मन्त्रस्य न्यासः</li> </ul>        | २७६         |
| <ul><li>प्रयोगान्तराणि</li></ul>                    | 248               | <ul><li>अस्याक्षरन्यासः</li></ul>                | २७७         |
| <ul><li>स्वयंवरायन्त्रम्</li></ul>                  | २५६               | <ul> <li>मेधाधारणासरस्वतीमन्त्र:</li> </ul>      | २७७         |

| विषया:   | पृष्ठाङ्काः | विषया:   | पृष्ठाङ्काः |
|--|-------------|--|-------------|
| <ul><li>भुवनेशीविधानम्</li></ul>                     | २७७         | <ul> <li>श्रीसूक्तमन्त्रैरुपचाराः</li> </ul>         | 305         |
| 💠 अस्य न्यासः  | २७७         | <ul> <li>पूजार्थे पुष्पविशेषाः</li> </ul>            | 305         |
| <ul> <li>पाशाङ्कुशाभयवरदशब्दार्थः</li> </ul>         | २७८         | <ul> <li>श्रीसूक्तप्रयोगाः</li> </ul>                | 305         |
| <ul> <li>अस्याः त्रिगुणितयन्त्रविधिः</li> </ul>      | 260         | <ul> <li>मन्त्रसारोक्तं श्रीसृक्तयन्त्रम्</li> </ul> | 304         |
| <ul> <li>अस्मिन्यन्त्रे पूजाविधिः</li> </ul>         | 960         | <ul> <li>महालक्ष्मीरत्नकोशोक्त-</li> </ul>           |             |
| <ul> <li>अस्या षड्गुणितयन्त्रक्रमः</li> </ul>        | २८१         | लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्                                 | ३०६         |
| <ul> <li>अस्मिन्यन्त्रे पूजाविधिः</li> </ul>         | 225         | <ul> <li>लक्ष्मीमन्त्रविधानान्तरम्</li> </ul>        | 308         |
| दशमपटले  |             | <ul> <li>लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्</li> </ul>             |             |
| <ul> <li>भुवनेश्याः द्वादशगुणितयन्त्र</li> </ul>     | <b>I</b> -  | (सौभाग्यलक्ष्मीमन्त्र:)                              | 300         |
| विधानम्  | २८६         | <ul> <li>उक्तानां महालक्ष्मीमन्त्राणां</li> </ul>    |             |
| <ul> <li>अस्मिन्यन्त्रे भुवनेश्याः</li> </ul>        |             | प्रयोगविधि:  | 30€         |
| पूजाविधि:  | 266         | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तं लक्ष्मीस्तोत्रम्</li> </ul>  | 306         |
| <ul> <li>भुवनेश्याः घटार्गलायन्त्रम्</li> </ul>      | 268         | द्वादशपटले   |             |
| <ul> <li>अस्मिन्यन्त्रे पूजाविधि:</li> </ul>         | 288         | <ul><li>त्रिपुराविधानम्</li></ul>                    | 388         |
| एकादशपटले  |             | <ul> <li>त्रिपुरापूजाविधिः</li> </ul>                | 388         |
| <ul> <li>मन्त्रदेवताप्रकाशिकोक्तप्रका</li> </ul>     | रेण         | <ul> <li>धरणीमन्त्रविधानम्</li> </ul>                | 3 8 3       |
| भुवनेश्वर्याः पुरश्चर्याप्रयोगादि                    | [-          | <ul><li>पूजाविधि:</li></ul>                          | 383         |
| विधि:  | 288         | <ul><li>धरणीमन्त्रप्रयोगः</li></ul>                  | 383         |
| <ul> <li>श्रीमन्त्रविधानम्</li> </ul>                | 294         | <ul><li>धरणीयन्त्रम्</li></ul>                       | 384         |
| <ul> <li>अस्याः पीठपूजाविधिः</li> </ul>              | 294         | <ul><li>त्वरिताविधानम्</li></ul>                     | 384         |
| <ul> <li>अस्य मन्त्रस्य प्रयोगाः</li> </ul>          | २९६         | <ul> <li>त्विरतापूजाविधिः</li> </ul>                 | ३१६         |
| <ul><li>कल्पान्तरोक्तरमामन्त्रः</li></ul>            | २९७         | ♦ प्रयोग:  | 380         |
| <ul><li>अस्य यन्त्रम्</li></ul>                      | 286         | <ul><li>प्रयोगान्तरम्</li></ul>                      | 386         |
| <ul> <li>लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्</li> </ul>             |             | <ul><li>त्वरितायन्त्रविधानम्</li></ul>               | 386         |
| (कमलवासिनीमन्त्र:)                                   | २९८         | ♦ अस्य मन्त्रस्य निग्रहचक्र-                         |             |
| <ul><li>अस्या: पूजाविधि:</li></ul>                   | 299         | विधानम्  | 388         |
| ♦ प्रयोग:  | 299         | <ul><li>यन्त्राङ्गकालीमन्त्रः</li></ul>              | 320         |
| <ul> <li>(कमला) लक्ष्मीमन्त्रम्</li> </ul>           | 300         | ♦ यम मन्त्र:   | 320         |
| ◆ अस्या: पूजाविधि:                                   | 300         | ♦ निग्रहचक्रान्तरम्                                  | 3 2 8       |
| <ul><li>श्रीसूक्तविधानम्</li></ul>                   |             | ♦ त्वरितामन्त्रस्य अनुग्रहचक्रम्                     |             |
| <ul><li>श्रीसूक्तन्यासः</li></ul>                    | 308         | ♦ लक्ष्मी मन्त्र:                                    | 323         |
| <ul><li>पूजाविधि:</li></ul>                          | 302         | <ul> <li>त्विरतामन्त्रस्य अनुग्रह-</li> </ul>        |             |
| <ul> <li>श्रीसूक्तमन्त्रै: पूजाविधानान्तः</li> </ul> |             | चक्रान्तरम्  | 358         |
| PI-2   |             | -  |             |

| विषया:  | पृष्ठाङ्काः | विषया:   | पृष्ठाङ्काः |
|---|-------------|--|-------------|
| <ul><li>त्वरितायन्त्रान्तरम्</li></ul>        | 358         | ◆ तत्र पट्ठादिविशेषा:, तेषां                       |             |
| <ul> <li>वज्रप्रस्तारिणीविधानम्</li> </ul>    | 374         | फलानि च  | ३६३         |
| <ul><li>पूजाविधि:</li></ul>                   | ३२६         | <ul> <li>तत्र कर्तव्यविशेषाः</li> </ul>            | \$ 6 3      |
| <ul> <li>नित्यिक्लन्नाविधानम्</li> </ul>      | ३२६         | <ul> <li>शत्रुसर्पादिसंहार यन्त्रम्</li> </ul>     | ३६४         |
| <ul><li>अस्याः पूजाविधिः</li></ul>            | ३२७         | A  | ३६५         |
| त्रयोदशपटले                                   |             | <ul> <li>गर्भवृद्धिकर यन्त्रम्</li> </ul>          | ३६६         |
| <ul><li>मूलदुर्गाविधानम्</li></ul>            | 326         | <ul> <li>पुनस्सर्वारिष्टनाशन यन्त्रम्</li> </ul>   | ३६७         |
| <ul> <li>तस्याः पूजाविधिः</li> </ul>          | 326         | <ul> <li>कुचोद्धवकर यन्त्रम्</li> </ul>            | 300         |
| ★ प्रयोग:                                     | ३२९         | <ul> <li>गर्भसंक्षोभण यन्त्रम्</li> </ul>          | 300         |
| <ul> <li>महिषमर्दिनी मन्त्र:</li> </ul>       | ३२९         | <ul> <li>शृलिन्याः क्रियोत्कर्षयन्त्रम्</li> </ul> | ३७१         |
| <ul> <li>महिषमर्दिनी पूजाविधि:</li> </ul>     | 330         | <ul><li>शत्रुक्षयकर यन्त्रम्</li></ul>             | 302         |
| <ul> <li>महिषमर्दिनी मन्त्रप्रयोगः</li> </ul> | 330         | <ul><li>वन्ध्यापुत्रदयन्त्रम्</li></ul>            | ३७३         |
| <ul> <li>वनदुर्गाविधानम्</li> </ul>           | 330         | <ul><li>◆ वृष्टिकर यन्त्रम्</li></ul>              | ३७४         |
| <ul><li>वनदुर्गायन्त्रम्</li></ul>            | 332         | ♦ विजयप्रदयन्त्रम्                                 | 308         |
| <ul> <li>वनदुर्गा पूजाविधिः</li> </ul>        | 333         | <ul> <li>★ सर्वरोगहरं विचित्रकरण यन</li> </ul>     | त्रम्       |
| <ul><li>वनदुर्गा प्रयोगाः</li></ul>           | 333         | प्रयोगश्च  | 304         |
| <ul> <li>प्रतिकृतिनिर्माणविधिः</li> </ul>     | 338         | <ul> <li>पक्षिदुर्गामन्त्र:</li> </ul>             | 300         |
| <ul><li>पुनः प्रयोगाः</li></ul>               | ३३७         | ♦ तस्या: पूजाविधि:                                 | 300         |
| <ul> <li>शूलिनी विधानम्</li> </ul>            | 385         | <ul> <li>पक्षिदुर्गा प्रयोग:</li> </ul>            | 306         |
| <ul> <li>शूलिनी पूजाविधि:</li> </ul>          | 383         | <ul> <li>पक्षिदुर्गा यन्त्रम्</li> </ul>           | 30€         |
| <ul> <li>शूलिनी प्रयोगाः</li> </ul>           | 383         | <ul><li>पुनः प्रयोगाः</li></ul>                    | 369         |
| चतुर्दशपटले                                   |             | <ul><li>भ्रमरदुर्गा मन्त्र:</li></ul>              | 309         |
| <ul><li>शृलिनी यन्त्रम्</li></ul>             | 386         | <ul><li>भ्रमरदुर्गा प्रयोगः</li></ul>              | 360         |
| ◆ पुनः प्रयोगाः                               | 386         | ◆ बगलामुखी मन्त्र:                                 | 360         |
| <ul> <li>शूलिनी पूजायन्त्रम्</li> </ul>       |             | <ul> <li>बगलापूजाविधिः</li> </ul>                  | 368         |
| ♦ यन्त्रान्तरम्                               |             | <ul><li>बगला प्रयोगाः</li></ul>                    | 365         |
| ◆ मालामन्त्र:                                 | ३५१         | ◆ मृत्योस्तुल्य मन्त्रः                            | 363         |
| <ul><li>◆ पुनर्यन्त्रान्तरम्</li></ul>        | 348         |  | 363         |
| ◆ पुनर्माला मन्त्र:                           | 347         |  | 368         |
| <ul><li>यन्त्रान्तराणि</li></ul>              | 342         | ♦ स्वस्तिकपद्मप्रकार:                              | 364         |
| <ul> <li>दुर्गागायत्री</li> </ul>             | 344         | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तमृत्योस्तुल्य-</li> </ul>    |             |
| <ul> <li>सन्तानफलदयन्त्राणि</li> </ul>        | ३५५         | विधानम्  | 328         |

| विषया:  | पृष्ठाङ्का: | विषया:  | पृष्ठाङ्काः |
|---|-------------|---|-------------|
| <ul> <li>तस्य पूजा यन्त्रम्, पूजाविधि</li> </ul>      | वश ३८७      | <ul><li>♦ सौरऋग्यन्त्रम्</li></ul>            | 809         |
| ♦ तस्य प्रयोगः  | 369         | ♦ ग्रहशान्तियन्त्रम्                          | 883         |
| <ul><li>यन्त्रान्तरम्</li></ul>                       | 398         | <ul> <li>चन्द्रमनुविधानम्</li> </ul>          | 884         |
| <ul> <li>दुर्गाद्वादशाक्षरी मन्त्र:</li> </ul>        | 397         | <ul> <li>अस्य पूजाविधि:</li> </ul>            | 884         |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तमन्त्रध्यानादिकम्</li> </ul>    | ३९२         | <ul> <li>अस्य प्रयोगविधिः</li> </ul>          | ४१६         |
| <ul><li>पूजाविधि:</li></ul>                           | 368         | <ul> <li>अस्य प्रयोगविधिः</li> </ul>          | ४१६         |
| <ul> <li>दृष्टिदोषजिह्नादोषहरदुर्गामन्त्रः</li> </ul> | 394         | <ul> <li>सोमार्घ्यविधानम्</li> </ul>          | ४१७         |
| ♦ जिह्नादोषहरऋङ्मन्त्रः                               | 394         | <ul> <li>अग्निमन्त्रविधानम्</li> </ul>        | 886         |
| <ul> <li>उच्चाटनकरगाणिदुर्गामन्त्र:</li> </ul>        | ३९६         | ♦ तस्य पूजाविधि:                              | 886         |
| <ul> <li>तस्य यन्त्रं, पूजाविधिश्च</li> </ul>         | ३९६         | ♦ तस्य प्रयोगः                                | ४१८         |
| तत्र वायव्यास्त्र मन्त्र:                             | 390         | <ul><li>अग्निमन्त्रान्तरम्</li></ul>          | 850         |
| <ul> <li>वायुबीज मन्त्र:</li> </ul>                   | 396         | <ul> <li>तस्य पुरश्चर्याविधिः</li> </ul>      | 850         |
| <ul> <li>अग्निबीज मन्त्र:</li> </ul>                  | 396         | ♦ तस्य पूजाविधि:                              | 850         |
| <ul> <li>अमृतबीज मन्त्र:</li> </ul>                   | 396         | ♦ तस्य प्रयोगः                                | ४२१         |
| <ul><li>भद्रकाली मन्त्र:</li></ul>                    | 396         | <ul><li>अग्निमन्त्रान्तरम्</li></ul>          | 855         |
| <ul> <li>ज्वालाभिन्नभैरवीमन्त्र:</li> </ul>           | 399         | ♦ तस्य पूजा                                   | 853         |
| ♦ शास्तृमन्त्र:                                       | 399         | ♦ तस्य प्रयोगाः                               | 853         |
| ♦ तस्य यन्त्रम्                                       | 399         | <ul> <li>शरीरदाहशान्त्यर्थकमन्त्र:</li> </ul> | 820         |
| <ul> <li>सुखप्रसवकरयक्षिणीमन्त्रः</li> </ul>          | 800         | <ul> <li>ग्रहदाहाद्यभयप्रदयन्त्रम्</li> </ul> | 830         |
| <ul> <li>शीघ्रप्रसवकरमन्त्रान्तरम्</li> </ul>         | 800         | षोडशपटले                                      |             |
| <ul> <li>भुवनेश्वरी चतुरक्षरिवधानम्</li> </ul>        | 808         | <ul><li>महागणपतिविधानम्</li></ul>             | 858         |
| <ul> <li>अस्य अर्ध्यविधिः पूजाविधिः</li> </ul>        | 808 E       | ♦ अस्य न्यासः                                 | 858         |
| <ul><li>अजपाविधानम्</li></ul>                         | 805         | ♦ कलान्यास:                                   | 830         |
| <ul><li>अस्य प्रयोगाः</li></ul>                       | 805         | ♦ तत्त्वन्यास:                                | 830         |
| <ul> <li>प्रयोजनितलकोक्तसौरमन्त्र-</li> </ul>         |             | <ul><li>भुवनन्यासः</li></ul>                  | 838         |
| विधानम्   | 808         | <ul><li>वर्णन्यास:</li></ul>                  | 838         |
| <ul> <li>अस्य पूजाविधि:</li> </ul>                    | 808         | ♦ पदन्यास:                                    | 838         |
| ♦ अस्य प्रयोगाः                                       | 804         | मन्त्रन्यासः                                  | 835         |
| <ul> <li>सौराष्टाक्षरविधानम्</li> </ul>               | 800         | <ul> <li>विनायकादिन्यासः</li> </ul>           | 833         |
| ♦ सौराष्ट्राक्षरन्यासः                                | 806         | <ul> <li>विवरणोक्त विघ्नेशन्यास</li> </ul>    | , ,         |
| <ul> <li>सौरपूजाविधि:</li> </ul>                      | 806         | विधानम्                                       | 835         |
| पञ्चदशपटले  |             | <ul> <li>विघ्नेशपूजाविधिः</li> </ul>          | ४३६         |
| <ul><li>सौराष्टाक्षरयन्त्रम्</li></ul>                | ४०९         | <ul><li>महागणपितमन्त्रप्रयोगः</li></ul>       | 830         |
|   |             |   |             |

| विषया:  | पृष्ठाङ्काः | विषया:  | गृष्ठाङ्काः |
|---|-------------|---|-------------|
| <ul> <li>चतुरावृत्तितर्पणविधिः</li> </ul>       | 836         | <ul> <li>→ गणेशाङ्किनवासिनी</li> </ul>              |             |
| <ul> <li>♦ स्तम्भनकरं वैध्नेशं बीजम्</li> </ul> | 880         | महालक्ष्मी मन्त्र:                                  | ४६६         |
| <ul> <li>वनस्थलीमध्यगतगजग्रहणा</li> </ul>       | र्थ-        | ♦ अस्य यन्त्रम्                                     | ४६६         |
| प्रयोगविधि:                                     | 880         | ◆ अस्य प्रयोगः                                      | ४६७         |
| ♦ तत्र मण्डपादिनिर्माणविधि:                     | 883         | <ul> <li>मन्त्रदेवताप्रकाशिकोक्त</li> </ul>         |             |
| ♦ तस्मिन् पृजादिविधि:                           | 840         | विघ्नेशत्र्यक्षरीमन्त्र:                            | ४६७         |
| <ul> <li>अथ विघ्नेशकल्पोक्तप्रयोगः</li> </ul>   | 848         | ♦ अस्य पृजाविधि:                                    | ४६८         |
| <ul> <li>मूषिकविषादिहरविघ्नेश-</li> </ul>       |             | <ul> <li>अस्य प्रयोगविधिः</li> </ul>                | ४६८         |
| मन्त्रान्तरम्                                   | 842         | ◆ उच्छिष्टगणपितमन्त्र:                              | ४७१         |
| <ul> <li>मूषिकोच्चाटनकरमार्जाररुद्र</li> </ul>  | मन्त्र:४५२  |   | 808         |
| <ul><li>मन्त्रान्तरम्</li></ul>                 | 843         | ◆ विघ्नेशमालामन्त्र:                                | 868         |
| <ul> <li>कृमिकोटादिनाशनहनूमन्मन</li> </ul>      |             | ♦ शक्तिगणपित मन्त्र:                                | ४७२         |
| <ul> <li>कृमिकादिनाशनहनूमन्माला</li> </ul>      | मन्त्र:४५४  | ◆ कुक्षिगणपित मन्त्र:                               | 865         |
| <ul> <li>तस्य प्रयोगविधिः</li> </ul>            | 844         | ♦ अस्य प्रयोगिविधिः                                 | ४७३         |
| <ul> <li>आकाशभैरवकल्पोक्तमहा-</li> </ul>        |             | ♦ शक्तिगणपित मन्त्र:                                | ४७३         |
| गणपतिमन्त्रप्रयोगाः                             | 844         | ♦ अस्य प्रयोगः                                      | ४७३         |
| <ul><li>महागणपितयन्त्रम्</li></ul>              | ४५६         | ♦ लक्ष्मीगणपित मन्त्र:                              | ४७४         |
| <ul><li>महागणपितयन्त्रान्तरम्</li></ul>         | 848         | सप्तदशपटले  |             |
| <ul><li>विघ्नेशबीजविधानम्</li></ul>             |             | <ul><li>मन्मथिवधानम्</li></ul>                      | ४७५         |
| (गणेशैकाक्षरमन्त्रः)                            | 849         | ♦ अस्य पूजाविधि:                                    | ४७५         |
| <ul><li>गणेशपूजाविधिः</li></ul>                 | 849         | ♦ अस्य यन्त्रम्                                     | ४७५         |
| ★ प्रयोगाः                                      | 849         | ♦ कामगायत्री मन्त्र:                                | 804         |
| ♦ अस्य यन्त्रम्                                 | ४६१         | ◆ काममाला मन्त्र:                                   | 804         |
| ♦ क्षिप्रप्रसादनगणपितमन्त्र:                    | ४६१         | <ul> <li>कामपूजान्तरविधि:</li> </ul>                | ४७६         |
| <ul> <li>अस्य पूजायन्त्रम्</li> </ul>           | ४६२         | <ul><li>अस्य यन्त्रम्</li></ul>                     | ४७७         |
| ♦ अस्य प्रयोगाः                                 | ४६२         | <ul><li>अस्य प्रयोगाः</li></ul>                     | ४७८         |
| <ul> <li>अर्कगणपितमन्त्र:</li> </ul>            | ४६३         | ◆ पञ्चमनोभवयन्त्रम्                                 | 809         |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तगणपितमन्त्रः</li> </ul>   | ४६४         | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तयन्त्रान्तरम्</li> </ul>      | 860         |
| <ul><li>वक्रतुण्डगणपतिमन्त्रः</li></ul>         | ४६४         | ♦ रतीदेवीमन्त्र:                                    | 868         |
| ◆ गणपितत्रयक्षरीमन्त्र:                         | ४६४         | <ul> <li>अस्य यन्त्रम् प्रयोगाश्च</li> </ul>        | 868         |
| <ul> <li>कुक्षिगणपित मन्त्रः</li> </ul>         | ४६५         | <ul> <li>गोपालाष्टादशाक्षरीमन्त्रविधानम्</li> </ul> |             |
| <ul> <li>वीरगणपित मन्त्रः</li> </ul>            | ४६५         | <ul> <li>अस्य मन्त्रस्य त्रिकालध्यानम्</li> </ul>   | 863         |
| ♦ हरिद्रागणपित मन्त्र:                          | ४६५         | ♦ अस्य प्रयोगः                                      | 828         |

| विषया:   | पृष्ठाङ्काः | विषया:  | गृष्ठाङ्काः |
|--|-------------|---|-------------|
| <ul> <li>क्रमदीपिकोक्त गोपालाष्टा-</li> </ul>      |             | <ul> <li>विंशत्यक्षरीन्यासविधानम्</li> </ul>            | 480         |
| दशाक्षरी दशाक्षर्यो: न्यासवि                       |             | <ul> <li>अस्य न्यासस्य मुद्राप्रकारः</li> </ul>         | 488         |
| <ul> <li>तत्र चतुर्विधमातृकान्यासिवि</li> </ul>    | धः ४८५      | <ul> <li>तत्र किरीटमुद्राप्रकार:</li> </ul>             | 488         |
| तत्त्वन्यासः                                       | ४८६         | <ul> <li>बर्हापीडमुद्राप्रकार:</li> </ul>               | 482         |
| <ul> <li>वैष्णवपीठन्यास:</li> </ul>                | 850         | <ul><li>श्रीवत्समुद्राप्रकारः</li></ul>                 | 488         |
| <ul> <li>तत्र सृष्टिस्थितसंहारन्यासाः</li> </ul>   | 228         | <ul><li>वनमालामुद्राप्रकार:</li></ul>                   | 488         |
| <ul><li>दशतत्त्वन्यास:</li></ul>                   | 228         | <ul><li>कौस्तुभमुद्राप्रकार:</li></ul>                  | 483         |
| <ul> <li>दशाक्षरीमन्त्रस्य अक्षरन्यासः</li> </ul>  | 866         | <ul><li>मकरकुण्डलमुद्राप्रकार:</li></ul>                | 483         |
| <ul><li>विभूतिपञ्जरन्यास:</li></ul>                | 890         | <ul> <li>वेणुमुद्रालक्षणम्</li> </ul>                   | 483         |
| <ul><li>मूर्त्तिपञ्जरन्यासः</li></ul>              | 898         | <ul> <li>बिल्वफलमुद्रालक्षणम्</li> </ul>                | 483         |
| <ul> <li>तत्र मन्त्रभेदेन विशेषविधिः</li> </ul>    | 898         | <ul> <li>सुदर्शनमुद्रालक्षणम्</li> </ul>                | 483         |
| <ul> <li>गोपालाष्टादशाक्षरीदशाक्षयों:</li> </ul>   |             | <ul> <li>कौमोदकीमुद्रालक्षणम्</li> </ul>                | 483         |
| पूजाक्रम:  | 898         | <ul> <li>पद्ममुद्रालक्षणम्</li> </ul>                   | 488         |
| <ul> <li>तत्र पूजार्थं यन्त्रम्</li> </ul>         | 888         | <ul> <li>योगमुद्रालक्षणम्</li> </ul>                    | 488         |
| <ul> <li>मन्त्रद्वयस्यापि त्रिकालपूजावि</li> </ul> | धि:४९८      | ♦ अस्य मन्त्रस्य ध्यानम्                                | 488         |
| <ul> <li>मन्त्रद्वयस्यापि त्रिकालतर्पण-</li> </ul> |             | <ul> <li>अस्य पूजाविधिः यन्त्रं च</li> </ul>            | 484         |
| प्रकार:  | 403         | <ul> <li>अस्य प्रयोगविधिः</li> </ul>                    | 480         |
| <ul> <li>गोपालदशाक्षरीपुरश्चर्याविधिः</li> </ul>   |             | <ul> <li>मन्त्रसारोक्तं विंशत्यक्षरीयन्त्रम्</li> </ul> | 486         |
| प्रयोगाश्च   | 408         | <ul><li>◆ कल्पान्तरोक्त</li></ul>                       |             |
| <ul><li>गुप्तगोपालकमन्त्रः</li></ul>               | 400         | विंशत्यक्षरीयन्त्रातरम्                                 | 420         |
| <ul> <li>सनत्कुमारीयोक्त</li> </ul>                |             | <ul> <li>गोसमृद्धिप्रद आगावसूक्तयन्त्रः</li> </ul>      | म् ५२१      |
| गोपालकविंशत्यक्षरीविधानम                           | ( 406       | <ul> <li>गोपालक सन्ध्यावन्दनविधिः</li> </ul>            | 478         |
| <ul> <li>अस्य सनत्कुमारीयोक्त-</li> </ul>          |             |   |             |
| पूजाविधि:  | 406         |   |             |
|  |             |   |             |

## प्रपञ्चसारसारसंग्रहपूर्वभागोक्तमन्त्राः

| मन्त्राः   | पृष्ठाङ्काः | मन्त्राः                                       | पृष्ठाङ्का: |
|--|-------------|--|-------------|
| सप्तमपटले  |             | ♦ सरस्वतीमन्त्रान्तरम्                         | 204         |
| <ul><li>पञ्चपुष्पाञ्जलिमन्त्रः</li></ul>   | 96          | <ul><li>♦ सरस्वतीमन्त्रान्तरम्</li></ul>       |             |
| <ul> <li>पञ्चीकरणपुष्पाञ्जलिमन्त्रः</li> </ul>   | 99          | (वाग्देवीमन्त्र:)                              | 204         |
| ♦ सालिग्राममन्त्र:   | 99          | ♦ नकुलीसरस्वतीमन्त्रः                          | २७६         |
| अष्टमपटले  |             | <ul> <li>मेधाधारणासरस्वतीमन्त्रः</li> </ul>    | २७७         |
| ♦ त्रिपुरामन्त्र:  | १३१         | <ul> <li>भुवनेशीएकाक्षरीमन्त्रः</li> </ul>     | २७७         |
| <ul><li>धारणासरस्वतीमन्त्रः</li></ul>  | 888         | एकादशपटले                                      |             |
| <ul><li>नकुलीसरस्वतीमन्त्रः</li></ul>  | 888         | ♦ श्रीमन्त्र:                                  | 794         |
| <ul><li>परासरस्वतीमन्त्रः</li></ul>  | १४५         | ♦ रमामन्त्र:                                   | 290         |
| <ul><li>बालासरस्वतीमन्त्रः</li></ul>   | १४५         | ♦ लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्                         |             |
| <ul><li>बालात्र्यक्षरीमन्त्रः</li></ul>  | १४६         | (कमलवासिनीमन्त्र:)                             | 286         |
| <ul><li>वाग्भवबीजमन्त्र:</li></ul>   | १४८         | ♦ (कमला)लक्ष्मीमन्त्र:                         | 300         |
| <ul><li>महाबालात्रिपुरसुन्दरीमन्त्रः</li></ul>   | 288         | <ul> <li>महालक्ष्मीरत्नकोशोक्त-</li> </ul>     |             |
| <ul> <li>त्रिपुरसुन्दरीमालामन्त्राः</li> </ul>   | 288         | लक्ष्मीमन्त्र:                                 | ३०६         |
| ♦ उद्धारमन्त्र:  | २१२         | <ul> <li>♦ लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्</li> </ul>     | ३०६         |
| <ul> <li>श्रीविद्यापराषोडशाक्षरीमन्त्र:</li> </ul>   | २१३         | <ul> <li>लक्ष्मीमन्त्रान्तरम्</li> </ul>       |             |
| <ul><li>विद्यासिहतगोपालमन्त्रः</li></ul>   | 232         | (सौभाग्यलक्ष्मीमन्त्र:)                        | 300         |
| <ul><li>राजमातङ्गीमन्त्र:</li></ul>  | २३९         | द्वादशपटले                                     |             |
| <ul><li>♦ शारदातिलकोक्तराज-</li></ul>  |             | ♦ त्रिपुरामन्त्र:                              | 385         |
| मातङ्गेश्वरीमन्त्रः  | २४०         | <ul><li>धरणीमन्त्र:</li></ul>                  | 383         |
| <ul><li>→ लघुमातङ्गीमन्त्र:</li></ul>  |             | ♦ त्वरितामन्त्र:                               | 384         |
| <ul><li>♦ स्वयंवरामन्त्रः</li></ul>  | २४६         | <ul><li>त्विरतायन्त्राङ्गकालीमन्त्रः</li></ul> | ,350        |
| <ul><li>★ तिरस्करिणीमन्त्र:</li></ul>  | 288         | ♦ यममन्त्र:                                    | 350         |
| <ul><li>चागीश्वरीमन्त्रः</li></ul>   | २६५         | ◆ लक्ष्मीमन्त्र:                               | 353         |
| The second secon | २६५         | <ul><li>वज्रप्रस्तारिणीमन्त्र:</li></ul>       | 324         |
| - नवमपटले  |             | <ul><li>नित्यिक्लिन्नाम्नः</li></ul>           | 378         |
| <ul> <li>वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li> </ul>   | २६७         | ्रयोदश <b>पटले</b>                             |             |
| <ul><li>वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>   | २७२         | <ul> <li>मूलदुर्गामन्त्रः</li> </ul>           | 376         |
| <ul><li>◆ वागीश्वरीमन्त्रान्तरम्</li></ul>   | २७३         | <ul> <li>महिषमर्दिनीमन्त्र:</li> </ul>         | 356         |
| <ul><li>चिन्तामणिसरस्वतीमन्त्रः</li></ul>  | 5081        | <ul><li>वनदुर्गामन्त्र:</li></ul>              | 330         |

| मन्त्राः   | पृष्ठाङ्काः | मन्त्राः   | पृष्ठाङ्का: |
|--|-------------|--|-------------|
| <ul><li>शूलिनीमन्त्र:</li></ul>                      | 385         | <ul> <li>वैध्नबीजमन्त्र:</li> </ul>                  | 880         |
| चतुर्दशपटले  |             | <ul> <li>मूषिकादिविषहरविघ्नेशमन्त्रः</li> </ul>      | 847         |
| <ul> <li>शूलिनीमालामन्त्रः</li> </ul>                | ३५१         | <ul> <li>मूषिकोच्चाटनकरमार्जाररुद्रम्</li> </ul>     | मन्त्र:४५२  |
| <ul><li>पक्षिदुर्गामन्त्र:</li></ul>                 | ७७ €        | <ul><li>मन्त्रान्तरम्</li></ul>                      | 843         |
| <ul><li>भ्रमरदुर्गामन्त्र:</li></ul>                 | ३७९         | <ul> <li>कृमिकीटादिनाशनहनूमन्यन्त्र</li> </ul>       | : 848       |
| <ul><li>बगलामुखीमन्त्र:</li></ul>                    | 360         | <ul> <li>आकाशभैरवकल्पोक्तमहा-</li> </ul>             |             |
| <ul><li>मृत्योस्तुल्यमन्त्रः</li></ul>               | 385         | गणपतिमन्त्रः   | 844         |
| <ul> <li>कल्पान्तरोक्तमृत्योस्तुल्यमन</li> </ul>     | त्रः ३९२    | <ul> <li>विघ्नेशैकाक्षरमन्त्रः</li> </ul>            | 849         |
| <ul><li>दुर्गाद्वादशाक्षरीमन्त्र:</li></ul>          | ३९२         | <ul> <li>अर्कगणपितमन्त्रः</li> </ul>                 | ४६३         |
| <ul><li>कल्पान्तरोक्तः</li></ul>                     | 365         | <ul> <li>कल्पान्तरोक्तगणपतिमन्त्रः</li> </ul>        | ४६४         |
| <ul> <li>दृष्टिदोषजिह्नादोषहरदुर्गामन्त्र</li> </ul> | : ३९५       | <ul><li>वक्रतुण्डगणपितमन्त्रः</li></ul>              | ४६४         |
| <ul><li>जिह्नादोषहरऋङ्मन्त्रः</li></ul>              | 394         | <ul><li>गणपितत्रयक्षरीमन्त्रः</li></ul>              | ४६४         |
| <ul><li>गाणिदुर्गामन्त्र:</li></ul>                  | ३९६         | <ul> <li>कुक्षिगणपतिमन्त्र:</li> </ul>               | ४६५         |
| <ul><li>वायव्यास्त्रमन्त्र:</li></ul>                | 390         | <ul><li>◆ वीरगणपितमन्त्र:</li></ul>                  | ४६५         |
| <ul><li>वायुबीजमन्त्र:</li></ul>                     | 396         | ♦ हरिद्रागणपितमन्त्र:                                | ४६५         |
| <ul><li>अग्निबीजमन्त्र:</li></ul>                    | 386         | <ul> <li>मणेशाङ्किनवासिनी-</li> </ul>                | 041         |
| <ul> <li>अमृतबीजमन्त्रः</li> </ul>                   | 386         | महालक्ष्मीमन्त्रः                                    | ४६६         |
| <ul><li>भद्रकालीमन्त्र:</li></ul>                    | 385         | <ul> <li>★ कल्पान्तरोक्तविघ्नेशत्र्यक्षरी</li> </ul> |             |
| <ul><li>ज्वालाभित्रभैरवीमन्त्र:</li></ul>            | 388         | <ul> <li></li></ul>                                  | ४७१         |
| <ul><li>शास्तृमन्त्र:</li></ul>                      | 366         |  |             |
| <ul> <li>सुखप्रसवकरयक्षिणीमन्त्रः</li> </ul>         | 800         | ♦ हेरम्बगणपतिमन्त्रः                                 | ४७१         |
| <ul> <li>शीघ्रप्रसवकरयक्षिणीमन्त्र:</li> </ul>       | 800         | <ul> <li>♦ विघ्नेशमालामन्त्रः</li> </ul>             | ४७१         |
| <ul> <li>भुवनेश्वरीचतुरक्षरीमन्त्र:</li> </ul>       | 800         | ♦ शक्तिगणपतिमन्त्र:                                  | ४७२         |
| <ul><li>सौरमन्त्रः</li></ul>                         | 808         | <ul> <li>कुक्षिगणपतिमन्त्रः</li> </ul>               | ४७२         |
| <ul><li>सौराष्ट्राक्षरमन्त्रः</li></ul>              | 800         | ♦ लक्ष्मीगणपतिमन्त्रः                                | ४७४         |
| पञ्चदशपटले   |             | सप्तदशपटले   |             |
| <ul><li>चन्द्रमन्त्र:</li></ul>                      | 884         | I  | ४७५         |
| <ul><li>अग्निमन्त्र:</li></ul>                       | 886         | ♦ कामगायत्रीमन्त्र:                                  | ४७५         |
| <ul><li>अग्निमन्त्रान्तरम्</li></ul>                 | 850         | ♦ काममालामन्त्र:                                     | ४७५         |
| <ul><li>अग्निमन्त्रान्तरम्</li></ul>                 | 855         | <ul><li>रतीदेवीमन्त्र:</li></ul>                     | ४८१         |
| <ul> <li>शरीरदाहशान्त्यर्थकमन्त्रः</li> </ul>        | ४२७         | <ul> <li>गोपालाष्टादशाक्षरीमन्त्रः</li> </ul>        | 865         |
| षोडशपटले   |             | <ul><li>गुप्तगोपालमन्त्रः</li></ul>                  | 400         |
| <ul><li>महागणपितमन्त्र:</li></ul>                    | 856         | 1  | 406         |